



“विद्या की अनंत सागर  
के नई करवाणो”

जहाँ शिक्षा दे रहा है, वहाँ  
नम्र देवता : । शिक्षा करना मक  
जुजा है, हमारी आज्ञा के लिए ।

बिना विद्या ना इनसान पूरा है ।

विद्या की महत्व जाना के  
भी मूल्य है । जैसे मक महदूर  
कको ने कहा ' विद्या हम महा हम  
भार इस दुनिया में बहुत बड़ी  
लोगों को शिक्षा निषेधित है ।  
हमारे बीच में आज भी  
कोयो लोग है जिनको शिक्षा  
की महत्व अबी मक समझा  
नही है ।

पढ़ाई सिर्फ स्कूल की विषय पर  
नही किसकी और सबकी  
बारे में हो सक्ता है ।



പുരാതന ഹിന്ദുസ്ഥാനിൽ ശിക്ഷാ സിംഹ  
 രാജകീയ ആർ യഥാർത്ഥ ക്കാ അമീർ നാഗാ  
 ക്കെ ലിഖിത വാ . വേദം നാടകം ,  
 അർത്ഥ ക്കാ പദാർത്ഥ ക്കാ മക മകാ മീ  
 മിതാ വാ . വേദ പുറ മ്കാ നാഗാ ക്കാ  
 ശിക്ഷാ ക്കാ മക സദാ ജാത വാ . നെക്കി  
 വിദ്യാ ക്കാ സപന പകടുക വേ നാഗ  
 ക്കാ ചാല സേ വേ .

പര അജകല യ്കാ ഹാലാ വേദ  
 വേദ വേദ ക്കാ വേ , അമീർ ആർ  
 അർത്ഥ നെക്കി , ഹിന്ദു ആർ മുസ്ലിമാന നെക്കി  
 യാ ക്കാ വേ പദാർത്ഥ ക്കാ വേ വേ .  
 ശിക്ഷാ ക്കാ മഹത്വ അർത്ഥ ക്കാ വേദം വേദ  
 ക്കെ ലിഖിത ക്കാ ക്കാ വേദ വേ .  
 ആർ അർത്ഥ വേ ക്കാ വേ , ജാത മ. വ.  
 ജ്കാ അമീർ ക്കാ സാഹ ആർ വേദ ക്കാ  
 വേദ വേ . അർത്ഥ ക്കാ അർത്ഥ  
 വേദ ക്കാ വേ .





Item Code: 948

Participant Code: 037

भारत की छात्रों विविध विभागों को  
बारे में पढाई कर और मुनि दुनिया  
की महानुर विश्वविद्यालय में पढाई  
पूरा करने है । मगर आज हम  
देखनेवाले एक सभत में है, भारत की  
आदो छात्रों को धादा भारत की  
बाहर जाकर पढाई करने सपना है ।  
ओक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज जैसे प्रमुख  
विश्वविद्यालय में पर रखकर एक  
नम शुरुवात और को मेहसूस करने  
को तैयार है ।  
जर्मनी, लंडन, जैसे विदेशों में  
एक हजारों लोग है पढाई कलिस  
जा रहा है ।  
नम नम संविधानों और संसार की  
अच्छी अध्यापकों को हाथ में  
देर हो कहा, अ य रबो वजा  
के लिस छात्रों और उनकी मानापिता  
भी आदेश है ।



Item Code: 948

Participant Code: 037

വിदेश विद्यायास के कितनी फायदा  
है उन्हो भी बुरा नरफ है ।  
एक हाथ मे शिक्षा के  
विदेशो विश्वविद्यालय मे पढाई को  
अहत्व और उनके उसकी स्कूलरविपं ,  
संविधान आदो दूसरे हाथ मे  
हम आज देशने वाली हताश संभत  
है कि जर्मनी जैसे विदेश राज्य  
भारत की छात्रों का उसकी  
विश्वविद्यालय मे पढाई नही कर सकना  
की फैसला । इस अचानक संभत  
सबो भारतीय को अंदर मे एक  
चुनौती बन गया है ।  
इसके इलावा भारतीय छात्रों  
विदेशा लोगों की सामने बहुत  
बैठे कूरता नैरहा है ।  
नौकर की तरह उनके ~~काम~~ देखकर  
और उनके जीवन मुश्किल बन  
रहा है ।





ये सारे बातें हमारे मन में  
निराख बन रहा है ।  
लाशों का पहाड़ और साच  
में वक्त सेक ~~जिस~~ । चली गयी।  
लेकिन इस वक्त में हम  
सोच करने का एक और चिज़  
भी है .. भारत की विश्वविद्यालय  
के बारे में ।  
भारत की खास विद्यालय, जैसे  
पै. पै. टी, एन पै.टी, एथोम्स  
आदि .. जैसे जैसे इस संसार की  
महत्व विश्वविद्यालय है । इसके  
इलावा बहुत बड़ा और यूनिवर्सिटिस  
भी हैं । ये ऑक्सफोर्ड और  
एम. पै.टी को कौनो कम नहीं ।  
हमारे बिच में वही लोग हैं  
जिनको विदेश जाने का मन  
और क्वाब है लेकिन उनको  
जिदगी की दानत ~~नहीं~~ घर  
बरोसा नहीं ।



भारत में विश्वाविद्यालय की शक्ति  
खुलन कर इस समस्या को सामने  
कर सकता आसान है ।

ये बात करने के तब हम  
सारे लोगों को अपना संचाई  
कर सकता है ।

छात्रों को का मानसिक बर्तन  
प्रश्नों और समझ भी कमी  
कर सकता है ।

भारत की संस्कार चढ़कर भारत  
की चेहरा उचाई तक पहुँचने  
को फुल पीठ के मदद करना  
जाएँ है ।

विद्या की अवसर ना कोयी को  
रोक सकता ।